प्रकाशन तिथि : 15 जुलाई, 2025
प्रेषण तिथि : 19 जुलाई, 2025

'डाक पंजियन सं. जयपुर सिटी/247/2024-2026
स.प.सं. 66332/97

पथ-प्रेरक

पाक्षिक

वर्ष 29 | अंक 09 | कुल पृष्ठ: 8 | एक प्रति: रुपए 7.00 | वार्षिक : रुपए 150/-

अपने प्रेरक और गुरु के जैसा बनने में है गुरु पूर्णिमा की महत्ता: संघप्रमुख श्री

(संघशक्ति और आलोक आश्रम में श्रद्धापूर्वक मनाई गुरु पूर्णिमा)

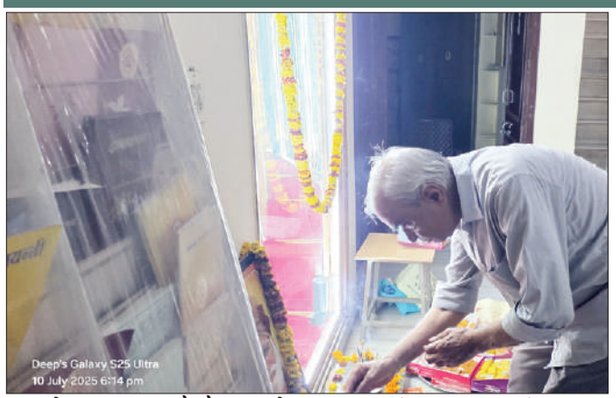

अधिकतर लोग यही मानते हैं कि गुरु पूर्णिमा के दिन की गुरु के लिए महत्ता है, गुरु की महिमा है इसलिए गुरु को हम पुष्प चढ़ाते हैं, उनकी तस्वीर पर माला चढ़ाते हैं, उनकी महत्ता में हम गीत और भजन गाते हैं लेकिन आज के दिन की यदि कोई महत्ता है तो उस गुरु के पीछे चलने वाले लोगों के लिए महत्ता है। हम चाहे संघ को गुरु मानें, पूज्य तनसिंह जी को गुरु मानें अथवा किसी अन्य को गुरु मानें लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम उस गुरु के किस श्रेणी के अनुचर हैं। तीन प्रकार के लोग होते हैं जो गुरु के पीछे चलते हैं। एक विद्यार्थी होता है जो विद्याध्ययन करता है, गुरु जो कुछ बताता है उसको जानने की कोशिश करता है, ज्ञान को अर्जित करने की कोशिश करता है और जो जानना चाहता है, वह जान लेने पर चला जाता है। दूसरा शिष्य होता है जो अपने गुरु के बताए अनुसार आचरण करने का प्रयास करता है, गुरु जो कुछ कहता है वैसा करने का प्रयास करता है। तीसरा होता है भक्त जो उस गुरु के जैसा ही बन जाता है, उसी स्थिति में पहुंच जाता है जिस स्थिति में गुरु होता है। हम उस भक्त की श्रेणी में आएं, हम भी अपने गुरु के जैसे हो जाएं, इसी में गुरु पूर्णिमा का वास्तविक महत्व है। इसलिए आज के दिन हम यही संकल्प करें कि हम भी वैसे ही हो जाएं जैसे हमारे प्रेरक है। उपर्युक्त बात माननीय संघप्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास ने जयपुर स्थित केंद्रीय कार्यालय संघशक्ति में 10 जुलाई को आयोजित गुरु पूर्णिमा उत्सव में उपस्थित स्वयंसेवकों एवं मातृशक्ति को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि गुरु का महत्व कभी कम-ज्यादा नहीं हो सकता। उन्होंने तो सब कुछ दिया ही दिया है लेकिन उनके पीछे चलने वाले लोग कितना लेने का प्रयास करते हैं यह उन लोगों पर ही निर्भर करता है। गुरु केवल गुरु पूर्णिमा के दिन ही देता है, ऐसा नहीं है। जिस प्रकार सूरज हमेशा प्रकाश देता है लेकिन उस रोशनी को लेने के लिए हम लोग सूर्योदय के समय उपस्थित रहते हैं या नहीं, यह हम पर निर्भर करता है। उसी प्रकार गुरु तो हमेशा देता है पर हम कितना ले पाते हैं यह हम पर निर्भर करता है। श्री क्षत्रिय युवक संघ के संस्थापक पूज्य तनसिंह जी ने हमें सब कुछ दिया लेकिन हममें से अधिकांश लोगों ने तनसिंह जी के भौतिक शरीर को नहीं देखा है, उन्होंने जो कुछ किया, उसको हमने नहीं देखा है। इसी प्रकार से आयुवान सिंह जी, नारायण सिंह जी को भी हम में से बहुत कम लोगों ने देखा है लेकिन हममें से अधिकांश लोगों ने पूज्य भगवान सिंह जी का जीवन देखा है, उनके साथ में हमको रहने का अवसर मिला है, उनके काम करने का ढंग हमने देखा है। वे किस प्रकार से हमको चलाने का प्रयास करते थे, वह भी हमने देखा है। लेकिन वह सब हमने केवल देखा ही है। आज के दिन हम यह प्रार्थना करें कि जो कुछ उन्होंने हमको दिया उसकी महत्ता को हम समझ सकें। क्योंकि जब व्यक्ति चला जाता है तब उसकी वास्तविक महत्ता हमको पता चलती है। **(शेष पृष्ठ 7 पर)**

खिवांदी के ऋषिराज सिंह चूरू में हुए शहीद

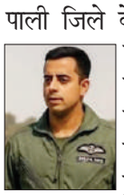

पाली जिले के खिवांदी गांव के निवासी फ्लाइट लेफ्टिनेंट ऋषिराज सिंह देवड़ा 9 जुलाई को एक विमान दुर्घटना में शहीद हो गए। चूरू जिले की राजलदेसर तहसील के भाणुदा गांव में भारतीय वायुसेना का जगुआर लड़ाकू विमान एक प्रशिक्षण उड़ान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिसमें ऋषिराज सिंह और उनके साथी हरियाणा के रोहतक निवासी स्क्वाड्रन लीडर लोकेंद्र सिंह सिंधु शहीद हो गए। ऋषिराज सिंह का पार्थिव शरीर 10 जुलाई को वायुमार्ग से जोधपुर एयरपोर्ट लाया गया **(शेष पृष्ठ 7 पर)**

संभागीय कार्ययोजना बैठकों में तय की संघकार्य की रूपरेखा

संभागीय कार्ययोजना बैठकों में तय की संघकार्य की रूपरेखा

वर्तमान सत्र में संभाग स्तर पर संघकार्य की रूपरेखा तैयार करने के उद्देश्य से विभिन्न संभागों में कार्ययोजना बैठकों के आयोजन का क्रम निरंतर जारी है। इसी क्रम में जयपुर संभाग की कार्ययोजना बैठक 6 जुलाई को जयपुर स्थित केंद्रीय कार्यालय संघशक्ति में माननीय संघप्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास के सान्निध्य में आयोजित हुई। माननीय संघप्रमुख श्री ने उपस्थित स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि संघ का कार्य सामूहिक भागीदारी का कार्य है इसलिए प्रत्येक स्वयंसेवक को सक्रिय होकर कार्य में जुटना होगा। हम जितनी अधिक निष्ठा से संघ कार्य करेंगे उतना ही अधिक हमारे भीतर संघ उतरेगा और हमारे विकास का मार्ग प्रशस्त होगा।

(शेष पृष्ठ 2 पर)

प्रो. देविंद्र सिंह ठाकुर बने अंबेडकर राष्ट्रीय विधि विवि के कुलपति

प्रोफेसर देविंद्र सिंह ठाकुर पुत्र प्रताप सिंह ठाकुर को डॉ. बी.आर. अंबेडकर राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, राजीव गांधी शिक्षा नगर, राई, जिला - सोनीपत (हरियाणा) का नया कुलपति नियुक्त किया गया है। हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर की जिले की सुजानपुर टिहरा तहसील के स्पाहल गांव के मूल निवासी प्रोफेसर ठाकुर ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा गांव में प्राप्त कर डीएवी कॉलेज फरीदाबाद से स्नातक की डिग्री प्राप्त की।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

संभागीय कार्ययोजना बैठकों में तय की संघकार्य की रूपरेखा

काणेटी

पालनपुर

(पेज एक से लगातार)

हमारे जीवन में निष्क्रियता नहीं आए, इसके लिए हमें ही प्रयत्नशील होना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि हमें समय को व्यर्थ गंवाने की आदत को छोड़ना होगा। हम अपने समय का सदुपयोग करना सीख जाएं,

अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित कर लें, तो संघकार्य के लिए समय की कमी नहीं रहेगी। बैठक में प्रत्येक स्वयंसेवक को शाखा में नियमित उपस्थित रहने, नए स्वयंसेवकों को जोड़ने, नियमित रूप से शिविर करने, संघ साहित्य का नियमित पठन करने, संघ कार्यालय में माह में एक रात्रि ठहरने, संभाग प्रमुख एवं अन्य वरिष्ठ सहयोगियों के निरंतर संपर्क में रहने की बात कही गई। संभाग प्रमुख राम सिंह अकदड़ा सहयोगियों सहित बैठक में उपस्थित रहे। पाली संभाग की कार्ययोजना बैठक 29 जून को रानी के निकट फालना रोड पर स्थित रुद्राक्ष होटल में आयोजित हुई जिसमें सम्भाग प्रमुख मोहब्बत सिंह धींगाना सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। वरिष्ठ स्वयंसेवक हीरसिंह लोड़ता ने उपस्थित स्वयंसेवकों को जानकारी दी कि मई माह में उदयपुर में हुए उच्च प्रशिक्षण शिविर में माननीय संघप्रमुख श्री के निदेशानुसार पाली और ब्यावर जिले को मिलाकर संघ के दृष्टिकोण से पाली को नया संभाग बनाया गया है जिसमें तीन प्रांत पाली, सोजत और मारवाड़ जंक्शन होंगे। पाली प्रांत के अंतर्गत पाली, रोहिट, रानी, फालना व सुमेरपुर क्षेत्र होंगे। सोजत प्रांत के अंतर्गत सोजत, रायपुर, जैतारण व ब्यावर क्षेत्र आएंगे एवं मारवाड़ जंक्शन प्रांत में मारवाड़, देसूरी, घाणेराव, सादड़ी क्षेत्र शामिल होंगे। बैठक में इस वर्ष संभाग में 10 शिविरों के आयोजन के प्रस्ताव रखे गए, साथ ही शाखाओं, संघशक्ति-पथप्रेरक सदस्यता अभियान, साहित्य का प्रसार, त्रैमासिक स्नेहमिलन के आयोजन आदि बिंदुओं पर चर्चा कर कार्ययोजना तैयार की गई। बैठक के अंत में पूज्य भगवान सिंह जी रोलसाहबसर की स्मृति में उपस्थित समाजबंधुओं को यथार्थ गीता वितरित की गई। इस अवसर पर रानी के पूर्व प्रधान पाबू सिंह खरोकड़ा, जालम सिंह गुड़ा लास, श्रवण सिंह, अजयपाल सिंह गुड़ा पृथ्वीराज, दिग्विजय सिंह कोलीवाड़ा, मनोहर सिंह निम्बली उड़ा सहित अनेक समाजबंधु उपस्थित रहे। जालौर संभाग की बैठक भी 29 जून को जालौर शहर में स्थित संभाग प्रमुख अर्जुन सिंह देलदरी के आवास पर आयोजित हुई। बैठक में संभाग में बालकों के प्राथमिक व माध्यमिक प्रशिक्षण शिविर एवं मातृशक्ति प्रशिक्षण शिविर के

कुचामन सिटी

आयोजन के प्रस्तावों पर चर्चा हुई एवं शिविरों के लिए स्थान का चयन भी किया गया। शाखा, जयंती समारोह एवं पारिवारिक स्नेहमिलन कार्यक्रमों के आयोजन की भी रूपरेखा तय की गई। चूरू जिले के रतनगढ़ में स्थित श्री स्वरूप राजपूत छात्रावास रतनगढ़ में शेखावाटी संभाग की वार्षिक कार्ययोजना बैठक भी 29 जून को आयोजित हुई। बैठक में वरिष्ठ स्वंय सेवक सुमेर सिंह गुढ़ा व संभाग प्रमुख खींव सिंह सुल्ताना सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। बैठक में वर्ष भर में संभाग में किए जाने वाले

जालोर

सांघिक कार्यों की रूपरेखा निश्चित की गई एवं तदनुरूप दायित्व सौंपे गए। 29 जून को ही पूर्वी राजस्थान संभाग की कार्ययोजना बैठक भी जयपुर स्थित संघ के केंद्रीय कार्यालय संघशक्ति में आयोजित हुई। संभाग प्रमुख मदन सिंह बामणिया सहयोगियों सहित बैठक में उपस्थित रहे। नागौर संभाग की दो दिवसीय वार्षिक कार्ययोजना बैठक कुचामन सिटी स्थित संभागीय कार्यालय आयुवान निकेतन में 5 व 6 जुलाई को संपन्न हुई जिसमें संभाग प्रमुख शिंभु सिंह आसरवा सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। वागड़ मालवा संभाग की कार्ययोजना बैठक 6 जुलाई को बांसवाड़ा के सत्तु की पादर में आयोजित हुई जिसमें संभाग प्रमुख टैंक बहादुर सिंह गेहूंवाडा सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। सौराष्ट्र कच्छ संभाग की वार्षिक कार्ययोजना बैठक 28 जून को भावनगर शहर में आयोजित हुई। केंद्रीय कार्यकारी महेंद्र सिंह पांची व संभाग प्रमुख प्रवीण सिंह धोलेरा सहयोगियों सहित बैठक में उपस्थित रहे। बैठक में संभाग में विगत सत्र में हुए संघ कार्य की समीक्षा की गई एवं आगामी सत्र के लिए कार्ययोजना की रूपरेखा तैयार की गई। उत्तर गुजरात संभाग की कार्ययोजना बैठक 29 जून को पालनपुर में स्थित सरस्वती हाइस्कूल में आयोजित हुई। कार्यक्रम में संभाग के मेहसाणा, पालनपुर, थराद और पाटण प्रांतों के स्वयंसेवक शामिल हुए और वर्तमान सत्र में संभाग में आयोजित होने वाली सांघिक गतिविधियों हेतु कार्य योजना तैयार की गई एवं तदनुरूप दायित्व सौंपे गए। संभाग प्रमुख वनराज सिंह भेसाणा सहयोगियों सहित बैठक में उपस्थित रहे। श्री बावन आंटा केलवणी मंडल के प्रमुख मदार सिंह मेगोल, पूर्व प्रमुख हमीर सिंह मोटा, ट्रस्टी रूपसिंह, गुमानसिह माडका (पूर्व प्रमुख भाजपा, बनासकांठा) एवं अन्य समाजबंधु भी बैठक में शामिल हुए। मध्य गुजरात संभाग की कार्ययोजना बैठक 28 जून को अहमदाबाद जिले के काणेटी गांव में स्थित श्री शक्तिमाताजी मंदिर में आयोजित हुई। बैठक में अहमदाबाद ग्राम्य प्रांत, अहमदाबाद शहर प्रांत, चरोतर प्रांत एवं गांधीनगर प्रांत में संघ कार्य के विस्तार पर चर्चा की गई। आगामी शिविरों के प्रस्ताव रखे गए एवं नए क्षेत्रों में नई शाखाएं प्रारंभ करने व बंद शाखाओं को पुनः प्रारंभ करने पर भी चर्चा की गई। संभाग प्रमुख बटुकसिंह काणेटी, वरिष्ठ स्वयंसेवक केशूभा काणेटी, जटुभा काणेटी, अणदूभा काणेटी सहयोगियों सहित बैठक में उपस्थित रहे। श्री राजपूत विकास संघ साणंद के प्रमुख हरपाल सिंह खोड़ा भी बैठक में उपस्थित रहे। दक्षिण गुजरात संभाग की वार्षिक कार्ययोजना बैठक सूरत के अभिमन्यु गार्डन में 29 जून को रखी गई जिसमें संभाग प्रमुख खेत सिंह चादेसरा सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। बैठक में संभाग में वर्ष भर में आयोजित होने वाले शिविर, शाखाओं एवं संघशक्ति-पथप्रेरक की सदस्यता बढ़ाने सहित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा कर कार्ययोजना तैयार की गई। उदयपुर संभाग की कार्ययोजना बैठक भी 9 जुलाई को उदयपुर स्थित भूपाल नोबल्स संस्थान परिसर में स्थित ओल्ड बॉयज भवन में आयोजित हुई जिसमें संभाग प्रमुख भंवर सिंह बेमला सहयोगियों सहित उपस्थित रहे।

भावनगर

अरवल्ली, महीसागर और दक्षिण मुंबई की प्रांतीय कार्ययोजना बैठकें

मध्य गुजरात संभाग में अरवल्ली प्रांत और महीसागर प्रांत की संयुक्त कार्ययोजना बैठक मोडासा तहसील के बाकरोल गांव में 29 जून को आयोजित हुई। संभाग प्रमुख बटुकसिंह काणेटी, महीसागर प्रांत प्रमुख सहदेवसिंह मूली और अरवल्ली प्रांत प्रमुख पूर्णचंद्रसिंह छेल्लीघोडी सहयोगियों सहित बैठक में उपस्थित रहे और दोनों प्रांतों के लिए वार्षिक कार्ययोजना की रूपरेखा तैयार की। महाराष्ट्र संभाग के दक्षिण मुंबई प्रांत की कार्ययोजना बैठक भी 6 जुलाई को दक्षिण मुंबई के पाटिल उद्यान में आयोजित हुई जिसमें प्रांत प्रमुख देवी सिंह झलोड़ा सहयोगियों सहित उपस्थित रहे।

मुम्बई

चांधन प्रांत के विभिन्न गांवों में संपर्क यात्रा

जैसलमेर संभाग के चांधन प्रांत के मेहराजोत गांव में 8 अगस्त से आयोजित होने वाले चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर हेतु 7 जुलाई को क्षेत्र के विभिन्न गांवों में संपर्क यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा के दौरान नया अचला, मेहराजोत, लाला कराड़ा, नया कराड़ा, मूलाना आदि गांवों में समाज बंधुओं से सम्पर्क करके शिविर में सहयोगी बनने का निवेदन किया गया एवं शिविर की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई। यात्रा में उमेद सिंह बडोड़ा गांव, रतन सिंह बडोड़ा गांव, कमल सिंह कराड़ा और चंदन सिंह मूलाना आदि शामिल रहे।

नग्गा, टहुंका, दईपड़ा खीचींयान और झांझमेर में शिविर आयोजित

दईपड़ा

(चार प्राथमिक प्रशिक्षण शिविरों में 425 शिविरार्थियों ने लिया प्रशिक्षण)

नग्गा

जैसलमेर संभाग के रामगढ़ प्रांत में नग्गा गांव के पास स्थित संत ऊगजी महाराज की नाडी परिसर में 24 से 27 जून तक चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुआ। चन्दन सिंह मूलाना ने शिविर का संचालन करते हुए शिविरार्थियों से कहा कि इस शिविर में आपको विपरीत परिस्थितियों से संघर्ष करने का जो अभ्यास कराया जा रहा है उससे आप अपने जीवन में आने वाली प्रत्येक बाधा का सामना कर सकेंगे। यहां की विभिन्न गतिविधियां आपके शारीरिक और बौद्धिक विकास में तो सहायक है ही, साथ ही आपके भीतर धैर्य और अनुशासन जैसे गुणों का विकास भी यहां किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि चार दिन तक संसार की चकाचौंध से दूर रहकर एकांत में अपने जीवन को संयमित बनाने का जो अभ्यास आपने यहां किया है, उसे अपने जीवन में निरंतर बनाए रखें। शिविर में म्याजलार, रामगढ़, भोजराजपुरम, सोनू, राघवा, सेऊवा, काकाब, मूलाना, मोहनगढ़, नग्गा, साधना, खड़ेरो की ढाणी, साधना, आशायच, तेजमालता, आकल, जामड़ा, मोती सिंह की बेरी, बैरसियाला, माड़वा आदि स्थानों के 100 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिविर में वरिष्ठ स्वयंसेवक हरि सिंह बैरसियाला व प्रांत प्रमुख पदम सिंह रामगढ़ सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। भीलवाड़ा प्रांत के मांडल क्षेत्र के टहुंका गांव में भी एक चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर 25 से 28 जून तक आयोजित हुआ।

झांझमेर

बृजराज सिंह खारडा ने शिविर का संचालन किया। उन्होंने शिविरार्थियों से कहा कि संसार की आपाधापी से दूर लाकर इस शिविर में आपको यह अनुभव कराया जा रहा है कि हम भौतिक सुख को पाने में इतने तल्लीन हो गए हैं कि अपने मूल उद्देश्य को ही भूल गए हैं। हमने क्षत्रिय कुल में जन्म लिया है, इसलिए क्षात्रधर्म का पालन करना ही हमारा वास्तविक उद्देश्य है। क्षात्रधर्म पालन की हमारे अपने जीवन में और सामाजिक जीवन में महत्ता को समझाने के लिए ही आपको यह शिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संघ जो शिक्षण आपको दे रहा है, उसे अपने जीवन में स्थायी बनाने के लिए आपको निरंतर संघ के संपर्क में रहना होगा और इस शिक्षण के प्रतिकूल तत्वों से इसकी रक्षा करनी होगी। इसके लिए संघ की शाखा में प्रतिदिन जाएं और नियमित रूप से शिविर करते रहें। शिविर में टहुंका, गंगापुर, आभाखेड़ी, चौकी का खेड़ा, नेतावल खेड़ा, रायला, चितौड़गढ़, भीलवाड़ा शहर आदि स्थानों से 130 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। बालोतरा संभाग में जोधपुर बालोतरा सीमा पर स्थित दईपड़ा खीचींयान गांव के लक्ष्य ज्योति विद्यालय परिसर में भी चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर 27 से 30 जून तक आयोजित हुआ। संभाग प्रमुख मूल सिंह काठाड़ी ने शिविर का संचालन किया। उन्होंने शिविरार्थियों से कहा कि हमारा स्वधर्म क्षात्रधर्म है जो दूसरों की रक्षा के लिए स्वयं बलिदान हो जाने का धर्म है। इन चार दिनों में हम अपने भीतर स्वधर्म पालन की भावना को जीवंत करने का अभ्यास करेंगे। हमारे पूर्वजों ने किस प्रकार अचिंत्य बलिदान देकर क्षात्रधर्म का पालन किया, उसके बारे में भी हम जानेंगे। उन्होंने कहा कि अपनी संस्कृति को भूल जाने के कारण समाज में जो पतन की स्थिति आई है, उसे रोकने के लिए हमें अपनी संस्कृति को जानना होगा और उसके अनुरूप आचरण करना होगा। शिविर में जोधपुर, बाड़मेर, बालोतरा, कल्याणपुर, लूणी, झंवर, सिवाना, समदड़ी, पाटोदी आदि स्थानों से 100 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण लिया। गुजरात के भावनगर जिले की तलाजा तहसील के झांझमेर गांव में स्थित नागणेची माता मंदिर परिसर में भी एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर 5 से 7 जुलाई तक आयोजित हुआ। नवदीप सिंह अवाणियां ने शिविर का संचालन किया। उन्होंने शिविरार्थियों को विदाई देते हुए कहा कि शिविर में जो शिक्षण दिया गया है वह आपके जीवन में उतरने पर ही सार्थक होगा। हमें क्षत्रिय कुल में जन्म मिला, यह हमारे लिए गर्व और सौभाग्य की बात है लेकिन हमें कर्म से भी क्षत्रिय बनना

टहुंका

पड़ेगा तभी हमारे जन्म का उद्देश्य पूरा होगा। उन्होंने कहा कि संघ की शाखा में जाकर हम दैनिक रूप से अभ्यास करेंगे तभी संसार के विपरीत वातावरण में हमारे भीतर संघ द्वारा रोपा गया संस्कारों का बीज जीवित रह पाएगा। शिविर में झांझमेर, अवाणियां, मधुबन, मलेकवदर, नया सांगाणा, जूना सांगाणा, पटेलनगर, तक्षशिला आदि स्थानों से 95 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। मयूरध्वज सिंह शाहपुर ने स्थानीय समाजबंधुओ के साथ मिलकर व्यवस्था में सहयोग किया।

उदयपुर में 'संघ, समाज और युवा शक्ति' विषय पर युवा संवाद कार्यक्रम

श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन द्वारा 5 जुलाई को उदयपुर स्थित ओल्ड बॉयज एसोसिएशन भवन, भूपाल नोबल्स विश्वविद्यालय में 'संघ समाज और युवा शक्ति' विषय पर युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संघ के केंद्रीय कार्यकारी रेवंत सिंह पाटोदा ने कहा कि संसार में जितनी भी क्रांतियां हुई हैं उनमें से अधिकांशत 30 वर्ष से कम आयु के व्यक्तियों द्वारा की गई हैं। युवा शक्ति ही समाज में परिवर्तन ला सकती है क्योंकि उसी के पास इस कार्य के लिए आवश्यक ऊर्जा उपलब्ध होती है। यह ऊर्जा व्यर्थ न जाए अथवा नकारात्मक दिशा न ले, इसके लिए इसको संयोजित कर इसका सकारात्मक दिशादर्शन करना आवश्यक है। इसीलिए संघ ने आपको इस कार्यक्रम में बुलाया है। समाज के बारे में आपका क्या चिंतन है, उस चिंतन को किस प्रकार कार्यान्वित किया जा सकता है, संघ समाज में किस प्रकार काम करता है, उस सब पर चर्चा की लिए ही यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। उपस्थित सहभागियों ने भी चर्चा में शामिल होकर समाज और संघ के प्रति अपने विचारों को साझा किया। कार्यक्रम में संघ के उदयपुर संभाग प्रमुख भँवर सिंह बेमला, मेवाड़ हाड़ौती संभाग प्रमुख बृजराज सिंह खारडा, हाड़ौती प्रांत प्रमुख वीरेंद्र सिंह तलावदा, फाउंडेशन के उदयपुर जिला प्रभारी भानुप्रताप सिंह झीलवाडा, अरविंद सिंह पावटा, महिपाल सिंह बाबरीखेड़ा, नागेंद्र सिंह परावल, राजदीप सिंह नेतावल, युवा छात्र प्रतिनिधि हर्षवर्धन नाथ फलीचडा, आर्यवृत्त सिंह रामपूरियां, नकुल सिंह टीलोंरा, खुमाण सिंह बालाथल, अधिराज सिंह नला सहित विभिन्न महाविद्यालयों के छात्रबंधु उपस्थित रहे।

नांद (पुष्कर) में हुई प्रतिनिधि सभा की बैठक

पुष्कर के निकटवर्ती नांद गांव में स्थित राजपूत सभा भवन में गोयन्द दासोत जोधा शोध संस्थान की पांचवीं प्रतिनिधि सभा 22 जून को आयोजित की गई। बैठक में गोविंदगढ़ के ठाकुर गोविंददास जी की प्रतिमा स्थापना पर विचार-विमर्श हुआ, साथ ही गोविंददासोत वंश के इतिहास लेखन, शोध और प्रकाशन पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में 24 गांवों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता निभाई। संस्थान के संयोजक धर्मेंद्र राठौड़ ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि गोविंददास जी की प्रतिमा की स्थापना समारोह पूर्वक की जाएगी एवं कार्यक्रम में समाज की प्रतिभाओं का सम्मान भी किया जाएगा। भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी ने नांद गांव के ऐतिहासिक महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि हम सभी को अपनी वंशावली और इतिहास का संरक्षण करना चाहिए। शोध प्रभारी नंदलाल सिंह बाबरा और अन्य प्रतिनिधियों ने आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की। कार्यक्रम में सेवानिवृत हाईकोर्ट न्यायाधीश करणी सिंह राठौड़, संस्थान के सह संयोजक कर्नल मोहन सिंह जी राठौड़, जिला प्रमुख सुशील कंवर पलाड़ा, भंवर सिंह पलाड़ा, इतिहासकार महेंद्र सिंह तंवर, इतिहास लेखक, राम सिंह राव, वंश प्रदीप सिंह गोविंदगढ़, मेजर आरपी सिंह सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

संपादकीय

शत्रुता नहीं, सामर्थ्य जुटाएं

शत्रुता या वैरभाव मूल रूप में कोई श्रेष्ठ भाव नहीं है अपितु एक नकारात्मक भाव ही है। लेकिन नकारात्मक होते हुए भी शत्रुता का भाव मानव जीवन की व्यावहारिकता का एक अनिवार्य अंग है। मानव जीवन का कोई भी कालखंड ऐसा नहीं है जिसमें व्यक्तियों के बीच, जातियों, समुदायों व संप्रदायों के बीच, राज्यों व राष्ट्रों के बीच शत्रुता का भाव किसी न किसी रूप में और किसी न किसी मात्रा में व्याप्त न रहा हो। श्रेष्ठता की ओर मानव समाज की जो यात्रा है उसमें शत्रुता के भाव के इस नकारात्मक तत्व को समाप्त करने के प्रयत्न भी सदैव से होते रहे हैं। मनीषियों, चिंतकों और दार्शनिकों ने प्रेम, सहिष्णुता और सद्भाव के संदेश दिए, अपने महान व्यक्तित्व से जनसमुदाय को मार्गदर्शन देने वाले महापुरुषों ने भी समय-समय पर मनुष्य के एकत्व को अभिव्यक्ति देकर मानव जीवन से विरोध और शत्रुता के भाव को मिटाने का प्रयत्न किया, अनेकों श्रेष्ठ संस्कृतियों और सभ्यताओं ने भी उच्च जीवन मूल्यों को धारण कर मनुष्य को विकास के मार्ग पर बढ़ने की प्रेरणा देते हुए उसे अन्यों के प्रति शत्रुभाव से विमुख करने की व्यवस्था दी लेकिन सभी प्रयत्नों के उपरांत भी शत्रुता का भाव किसी न किसी स्वरूप में मानव जीवन का अंग बना रहा है, अभी भी बना हुआ है और आगे भी बना रहेगा। इसीलिए सामाजिक, राष्ट्रीय अथवा मानव जीवन को श्रेष्ठता और उर्ध्वगामी विकास की ओर अग्रसर करने वाले जो भी प्रयत्न होते हैं उन्हें शत्रुता के भाव की इस अनिवार्य उपस्थिति के प्रति भी सचेतन होना आवश्यक है अन्यथा वे प्रयत्न एकपक्षीय बनकर अंततः उसी प्रकार असफल हो जाएंगे जिस प्रकार दमनकारी और अत्याचारी सत्ता के विरुद्ध अहिंसक सत्याग्रह निष्प्रभावी हो जाते हैं अथवा विस्तारवादी और आक्रमणकारी नीति के सामने पंचशील जैसे सिद्धांत निरर्थक हो जाते हैं।

किंतु, शत्रुता के भाव की अनिवार्य उपस्थिति के प्रति सचेत होने की उपरोक्त बात का अर्थ यह नहीं है कि हम श्रेष्ठता और विकास के मार्ग में शत्रुता के भाव को भी शामिल कर लेवें। जिस समाज अथवा समुदाय को श्रेष्ठता की ओर अग्रसर करने का कार्य किया जा रहा है उसमें यदि किसी अन्य समाज या समुदाय के प्रति शत्रुता का भाव आरोपित कर दिया जाए तो कालांतर में वह समाज या समुदाय श्रेष्ठता की अपेक्षा नेष्ठता को धारण करने वाला बन जाता है। समाज में शत्रुता के भाव को स्थापित करने वाली विचारधाराएं साम्यवाद, माओवाद और फासीवाद की तरह संपूर्ण सामाजिक जीवन को एक संघर्ष क्षेत्र की भूमिका तक सीमित कर देती हैं और उसके विकास की अंतर्निहित संभावनाओं को कुंठित कर देती हैं। यह भी एकपक्षीयता ही है जो केवल शत्रुता रूपी नकारात्मकता को ही अपना केंद्र बना लेती है। अतः सामाजिक क्षेत्र में कार्य करते समय यह सदैव ध्यान रखने की आवश्यकता है कि कहीं हम समाज में समाज के ही किसी अंश के प्रति अथवा किसी अन्य समाज या समुदाय के प्रति भी शत्रुता और घृणा का भाव तो निर्मित नहीं कर रहे हैं? कहीं हम समाज में शत्रुता के भाव को भड़काकर उसकी सेवा का दंभ तो नहीं भर रहे हैं? यदि ऐसा है तो हमें सावधान हो जाना चाहिए क्योंकि समाज में परिवर्तन लाने का माध्यम निश्चित रूप से वैचारिक क्रांति ही है लेकिन वह वैचारिक क्रांति समाज में श्रेष्ठ विचारों के बीजारोपण से ही फलीभूत हो सकेगी। घृणा अथवा शत्रुता के विचारों को समाज में प्रसारित करना वस्तुतः सामाजिक परिवर्तन का उपाय नहीं है बल्कि अहंकार के वशीभूत होकर अपनी नकारात्मकता को समाज में फैलाने का उपक्रम मात्र है। इसलिए समाज जागरण के कार्य में घृणा और शत्रुता के भाव के निर्माण का कोई स्थान नहीं हो सकता।

उपरोक्त विश्लेषण के पश्चात यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि जब आलेख में शत्रुता को जीवन की व्यावहारिकता का अनिवार्य अंग भी बताया गया है और सामाजिक जीवन में शत्रुता के भाव के निषेध की बात भी कही गई है तो क्या ये विरोधाभासी नहीं है। वास्तव में ये दोनों बातें विरोधाभासी नहीं है बल्कि ये एक ही सत्य के दो पक्ष हैं और समाज निर्माण के कार्य में इन दोनों पक्षों को ध्यान में रखकर ही पूर्व में वर्णित दोनों प्रकार की एकपक्षीयता से बचा जा सकता है। समाज में हम शत्रुता के भाव को प्रोत्साहित न करें, यह आवश्यक है किंतु हम किसी के प्रति शत्रुता का भाव नहीं रखें, केवल इसी से यह निश्चित नहीं हो जाता कि कोई हमारे प्रति भी शत्रुभाव नहीं रखेगा। हमारे श्रेष्ठ व्यवहार के कारण कोई हमारा शत्रु न बने, यह हमारा आदर्श होना चाहिए लेकिन अपनी कुंठा, ईर्ष्या और नकारात्मकता के कारण भी कोई हमारा शत्रु बन सकता है। उसकी शत्रुता के बोध पर हमारा कोई वश नहीं होता। ऐसी स्थिति में सामने वाले द्वारा शत्रुता के भाव के कारण किए जाने वाले दुष्कृत्यों को निष्फल करना और उनका उचित प्रत्युत्तर देना आवश्यक हो जाता है। लेकिन इसका उपाय समाज में शत्रुता के भाव का निर्माण करना नहीं बल्कि समाज में सामर्थ्य का निर्माण करना है। हिंसा हमारा स्वभाव न बने किंतु प्रतिहिंसा की भावना और सामर्थ्य तो सदैव समाज में जीवित रहनी चाहिए। हमारी संस्कृति भी इसी बात का समर्थन करती है। इसी कारण भगवान श्री राम ने तपस्वी वेश धारण कर भी शस्त्रों का त्याग नहीं किया। महाभारत के युद्ध में भगवान श्री कृष्ण ने शस्त्र ना उठाने की प्रतिज्ञा करके भी शस्त्र संचालन का अभ्यास नहीं छोड़ा। शत्रुता की अनिवार्य उपस्थिति के प्रति सचेत होने का यही अर्थ है कि हमारे भीतर हम वह सामर्थ्य पैदा करें जिससे अवसर आने पर हमारे प्रति किए जाने वाले शत्रुतापूर्ण कृत्यों को हम निष्फल कर सकें। वर्तमान समय में वह सामर्थ्य संगठन और एकता से ही पैदा हो सकता है। अतः समाज में शत्रुता के भाव का निर्माण करने की अपेक्षा संगठन और एकता रूपी सामर्थ्य के निर्माण करने की आवश्यकता है। इसीलिए श्री क्षत्रिय युवक संघ श्रेष्ठ बनने की बात भी करता है और एक बनने की बात भी करता है। संघ हमें किसी के प्रति शत्रुता का भाव रखने की शिक्षा नहीं देता बल्कि जो हमारे समाज के प्रति शत्रुता का भाव रखे, उसका उचित प्रतिकार करने के लिए संगठन निर्माण की प्रक्रिया द्वारा आवश्यक सामर्थ्य को जुटाने की बात करता है। आएं, हम भी सामाजिक संगठन के निर्माण की इस प्रक्रिया में शामिल होकर उस सामर्थ्य को जुटाने में सहयोगी बनें।

चित्तौड़गढ़ में उद्यमी प्रोत्साहन कार्यशाला का आयोजन

श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन के तत्वावधान में 6 जुलाई को चित्तौड़गढ़ स्थित सीताफल अनुसंधान केंद्र में उद्यमी प्रोत्साहन कार्यशाला का आयोजन किया गया। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी रेवंत सिंह पाटोदा ने

फाउंडेशन के उद्देश्य व कार्यप्रणाली की जानकारी देते हुए कार्यक्रम की भूमिका बताई और कहा कि हम सभी समाज के प्रति जो सकारात्मक भाव रखते हैं, उसको संयोजित कर व्यवहारिक रूप से समाज के हित में प्रयुक्त किया जा सके, इसके लिए इस प्रकार के कार्यक्रमों के माध्यम से आपसी संपर्क, संवाद और सहयोग को बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। विभिन्न सत्रों में आयोजित कार्यशाला के प्रथम सत्र में राहुल देव सिंह (महाप्रबंधक उद्योग विभाग) ने राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने उद्योग स्थापना की प्रक्रिया और उद्योग विभाग द्वारा दी जाने वाले सहायता के बारे में विस्तार से बताया। द्वितीय सत्र में गौरव जागेटिया (चार्टर्ड अकाउंटेंट) ने व्यवसाय के वित्तीय पक्ष की जानकारी देते हुए कुशल वित्तीय प्रबंधन का महत्व समझाया। तृतीय सत्र में वाणिज्य कर विभाग में सहायक आयुक्त संतोष शर्मा व सचिन शर्मा ने जीएसटी प्रणाली, रिटर्न फाइलिंग, पंजीकरण प्रक्रिया, कर भुगतान आदि से संबंधित जानकारी प्रदान की। चतुर्थ व अंतिम सत्र में विक्रम सिंह धाकड खेड़ी (वरिष्ठ प्रबंधक बैंक ऑफ बड़ौदा) ने बैंकिंग प्रक्रिया एवं व्यापार के लिए उपलब्ध ऋण योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान की। संघ के केंद्रीय कार्यकारी गंगा सिंह साजियाली, मेवाड़ हाड़ौती संभाग प्रमुख बृजराज सिंह खारड़ा, हाड़ौती प्रांत प्रमुख वीरेंद्र सिंह तलावदा, उदयपुर प्रांत प्रमुख फतह सिंह भटवाड़ा, फाउंडेशन के चित्तौड़गढ़ जिला प्रभारी जोगेंद्र सिंह छोटा खेड़ा, भीलवाड़ा जिला प्रभारी विक्रम सिंह झालरा सहित विभिन्न जिलों से संभागी कार्यशाला में शामिल हुए।

लक्ष्मणगढ़ में मनाई राव राजा लक्ष्मण सिंह जी की जयंती

सीकर के लक्ष्मणगढ़ कस्बे में स्थित आदर्श विद्या मंदिर सभागार में लक्ष्मणगढ़ के संस्थापक राव राजा लक्ष्मण सिंह जी की जयंती 1 जुलाई को राव राजा लक्ष्मण सिंह स्मृति संस्थान एवं लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में मनाई गई। राजपूत समाज के जिलाध्यक्ष राम सिंह पिपराली ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लक्ष्मण सिंह जी को शेखावाटी अंचल के राव राजाओं की गौरवशाली विरासत एवं सामाजिक कल्याण में महत्वपूर्ण योगदान देने वाला शासक बताया। इतिहासकार महावीर पुरोहित ने लक्ष्मण सिंह जी और शेखावाटी के इतिहास पर प्रकाश डाला। स्मृति संस्थान के उपाध्यक्ष पूनम विशाल, ब्राह्मण महासभा के संरक्षक सुभाष जोशी, रामनिवास शर्मा, गजेंद्र सिंह, जितेंद्र सिंह आदि ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में मोहनानंद महाराज, कृष्णदास महाराज, महादेवनाथ महाराज आदि का भी सान्निध्य रहा।

शिविर सूचना

क्र.सं.	शिविर	समय	स्थान मार्ग आदि
01.	प्रा.प्र.शि.	08.08.2025 से 11.08.2025 तक	सरकारी विद्यालय भवन, **मेहराजोत,** चांधन, जैसलमेर **रूट (1).** जैसलमेर से भैंसड़ा के लिए वाया मेहराजोत बस है। **(2).** चांधन से बाड़मेर जाने वाली बस मेहराजोत होकर जाती है। **(3).** फलसुंड से जैसलमेर जाने वाली बस मेहराजोत होकर निकलती है।
02.	प्रा.प्र.शि.	08.08.2025 से 11.08.2025 तक	**धानेली, जैसलमेर** (जैसलमेर, खुहड़ी, म्याजलार, झिनझिनयाली से आने वाले शिवरार्थी बैरसियाला फांटा उतरें, वहां से धानेली के लिए वाहन की व्यवस्था रहेगी।) **संपर्क सूत्र** - 7568681821, 8107090065
03.	प्रा.प्र.शि.	08.08.2025 से 11.08.2025 तक	कंवर सा बावजी सम्पत सिंह जी फॉर्म हाउस , **बिकलाई, जैतारण,** जिला-ब्यावर (जैतारण से टेम्पो, जीप रामावास तक के लिए उपलब्ध है। वहां से 3 किमी दूर शिविर स्थल के लिए वाहन की व्यवस्था रहेगी।) **संपर्क सूत्र** - जितेन्द्र सिंह रायपुर - 8005715150, अजित सिंह रुदिया - 9784475660
04.	प्रा.प्र.शि.	08.08.2025 से 11.08.2025 तक	खारिया, रामसर, बाड़मेर (रामसर से चौहटन मार्ग पर स्थित)
05.	प्रा.प्र.शि.	08.08.2025 से 11.08.2025 तक	देवेंद्र सिंह हरपालसर फार्म हाउस (6 एपीएम), **अनूपगढ़, पूगल** (बसें उपलब्ध हैं एवं बाड़ा कॉलोनी से टैक्सी व्यवस्था उपलब्ध है) **संपर्क सूत्र** - हुकम सिंह पुंदलसर - 8696545593
06.	प्रा.प्र.शि.	08.08.2025 से 11.08.2025 तक	पंचायत भवन कोलासर, **पूगल** (शिविर स्थल के लिए बीकानेर से 1:15 व 3:15 बजे, बज्जू से 2:15 बजे एवं नोखा से 2:30 बजे बस उपलब्ध है) **संपर्क सूत्र** - 6350486708
07.	प्रा.प्र.शि.	08.08.2025 से 11.08.2025 तक	राजपूत कोटडी, **आकोली,** चितलवाना (सांचौर से बस की सुविधा है) **संपर्क सूत्र** - ईश्वर सिंह चौरा - 9982411848 महिपाल सिंह आकोली - 9772615972
08.	प्रा.प्र.शि.	14.08.2025 से 17.08.2025 तक	मेड ईजी स्कूल, **बंधवारी,** सेक्टर 58 & 59 के पास, गुरुग्राम, हरियाणा। (नजदीकी मेट्रो स्टेशन 55 व 56 से बस की व्यवस्था होगी) **संपर्क सूत्र** - 9650250458, 9116535640, 8440028074
09.	प्रा.प्र.शि.	14.08.2025 से 17.08.2025 तक	SDDS किड्स करियर, बांसडीह, बलिया उत्तप्रदेश
10.	प्रा.प्र.शि.	15.08.2025 से 18.08.2025 तक	चामुण्डा माता जी मंदिर - **धणा,** तहसील - सुमेरपुर, जिला- पाली (पाली से सुमेरपुर NH हाइवे पर केनपुरा पहुँचे। केनपुरा से 5 किमी दूर स्थित शिविर स्थल के लिए टेम्पो मिलेंगे।) **संपर्क सूत्र** - 9829112991
11.	प्रा.प्र.शि.	15.08.2025 से 18.08.2025 तक	नापासर पकी तलाई, बीकानेर **संपर्क सूत्र** - छैलू सिंह नापासर - 9166403169 पदम सिंह नापासर - 9509980419
12.	प्रा.प्र.शि.	30.08.2025 से 02.09.2025 तक	कुंडलेश्वर महादेव मंदिर, **भेव,** शिवगंज (भेव से मोछाल मार्ग पर बायीं तरफ 3 किमी दूर) **संपर्क सूत्र** - शैलेन्द्र सिंह उथमण- 9664392370 विक्रम सिंह भेव - 9588409341
13.	प्रा.प्र.शि.	30.08.2025 से 02.09.2025 तक	महादेव मंदिर तेजावास, **रानीवाड़ा,** जिला - जालौर (मालवाड़ा ओवर ब्रिज के पास से भीनमाल-रानीवाड़ा हाईवे से दो किमी अंदर) **संपर्क सूत्र** - सुरेंद्र सिंह तेजावास - 9920208010 शैतानसिंह (RI) तेजावास - 9352480870 रेवन्तसिंह जाखड़ी - 7665005702
14.	प्रा.प्र.शि.	04.09.2025 से 07.09.2025 तक	मादा भाखरी मंदिर, आहोर (जालोर तखतगढ़ रोड पर चरली उतरें, वहां से 4 किमी दूर शिविर स्थल है। साधन उपलब्ध रहेगा।)**संपर्क** मदन सिंह थुम्बा - 9413495628 भरत सिंह मंडला - 9119110165

गजेन्द्र सिंह आऊ, शिविर कार्यालय प्रमुख

बीकानेर में मातृशक्ति के लिए पुस्तकालय का लोकार्पण

बीकानेर के तिलक नगर में स्थित श्री करणी राजपूत सभा भवन में राजपूत समाज की मातृशक्ति के लिए नवनिर्मित राजमाता सुशीला कुमारी जी पुस्तकालय का लोकार्पण 7 जुलाई को किया गया। लोकार्पण समारोह में बीकानेर पूर्व की विधायक सिद्धि कुमारी, गाड़ोदा शिव मठ के महंत महावीर जति, क्षत्रिय सभा के अध्यक्ष करण प्रताप सिंह सिसोदिया, पुष्पेंद्र सिंह रोड़ा, कर्नल मोहन सिंह धूपालिया, कर्नल शिशुपाल सिंह पंवार, डॉ नंदलाल सिंह शेखावत, डॉ बजरंग सिंह राठौड़, डॉ पुष्पेंद्र सिंह सहित अनेकों गणमान्य समाजबंधु उपस्थित रहे। इस अवसर पर राजपूत समाज की प्रतिभाओं का सम्मान समारोह भी आयोजित किया गया जिसमें 85 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले दसवीं कक्षा के 26 विद्यार्थियों को एवं बारहवीं कक्षा के 27 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। स्नातक एवं स्नातकोत्तर में 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 12 विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों एवं भवन निर्माण में आर्थिक योगदान देने वाले भामाशाहों को भी सम्मानित किया गया।

महाराजा मुकुट सिंह शेखावत संस्थान की दो दिवसीय कार्यशाला

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले के मोरना गांव में स्थित महाराजा मुकुट सिंह शेखावत संस्थान में दो दिवसीय कार्यशाला 28 व 29 जून को आयोजित की गई जिसमें मोरना में प्रस्तावित श्री क्षत्रिय युवक संघ के आगामी शिविर की तैयारियों सहित क्षेत्र में संघकार्य के विस्तार पर भी चर्चा की गई। श्री क्षत्रिय युवक संघ के मंडल प्रमुख प्रशांत सिंह मोरना ने कार्यक्रम का संचालन किया एवं डॉ प्रमेंद्र सिंह, डॉ सुदेश सिंह का व्यवस्था में सहयोग रहा।

दसवीं एवं बारहवीं कक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाली समाज की प्रतिभाएं

हाल ही में राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड एवं केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा दसवीं एवं बारहवीं कक्षा के परिणाम जारी किए गए हैं। इन परिणामों में समाज के अनेक छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट अंक प्राप्त किए हैं जिनकी सूचना पथप्रेरक कार्यालय में प्राप्त हुई है। इनमें से 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की एक सूची पहले प्रकाशित की गई थी एवं दूसरी सूची इस अंक में प्रकाशित की जा रही है।

कक्षा 10

नाम व पिता का नाम	गांव व जिला	कक्षा	प्राप्तांक प्रतिशत
विवेक देवड़ा पुत्री भवानी सिंह	भटाना (सिरोही)	10 (सीबीएसई)	92.40
प्राची पुत्री अनिल सिंह	करोली (खैरथल-तिजारा)	10 (आरबीएसई)	99.33
पृथ्वी सिंह पुत्र इंदर सिंह	पांचोटा (जालौर)	10 (आरबीएसई)	90.83
मान सिंह पुत्र उम्मेद सिंह	कोरी धवेचा (जालौर)	10 (आरबीएसई)	96.50
देवेंद्र सिंह पुत्र मोहन सिंह	रोल चांदावता (नागौर)	10 (आरबीएसई)	91.17
पूनम कंवर पुत्री राजू सिंह	ऊंटालड़ (चूरू)	10 (आरबीएसई)	90.83
ध्रुव चम्पावत पुत्र वीरेन्द्र पाल सिंह	देणोक (जोधपुर)	10 (आरबीएसई)	94.83
प्रदीप सिंह पुत्र कुम्भ सिंह	नाहर सिंह नगर तेना (जोधपुर)	10 (आरबीएसई)	91.33
पूजा कंवर पुत्री चंद्रपाल सिंह जैतावत	गुड़ा रामसिंह (पाली)	10 (आरबीएसई)	90.33
स्नेहा शक्तावत पुत्री शक्ति सिंह	बैजनाथिया (चित्तौड़गढ़)	10 (आरबीएसई)	96.17
खुशबू कंवर पुत्री अर्जुन सिंह	पारेवर (जैसलमेर)	10 (सीबीएसई)	93.80
नितेशपाल सिंह पुत्र अर्जुन सिंह	परिवार (जैसलमेर)	10 (सीबीएसई)	92.80
भूपेंद्र सिंह भाटी पुत्र गेमर सिंह	पारेवर (जैसलमेर)	10 (सीबीएसई)	90.00
पंकजपाल सिंह भाटी पुत्र दिनेशपाल सिंह	अजीतपुर (जैसलमेर)	10 (सीबीएसई)	94.20
गजेंद्र सिंह पुत्र मनोहर सिंह	मोहनगढ़ (जैसलमेर)	10 (सीबीएसई)	91.66
शिवराज सिंह पुत्र लूण सिंह	हमीरा (जैसलमेर)	10 (सीबीएसई)	96.00
युवराज सिंह शेखावत पुत्र गंगा सिंह	मानपुरा (सीकर)	10 (सीबीएसई)	91.60
ध्रुवी चम्पावत पुत्री महिपाल सिंह	खूणी गुड़ा (पाली)	10 (सीबीएसई)	91.80
चेताशी कंवर पुत्री रतन सिंह राठौड़	सुरियास (नागौर)	10 (आरबीएसई)	92.33
दिव्या कंवर पुत्री सत्यवीर सिंह	चूड़ी (झुंझुनूं)	10 (आरबीएसई)	92.00
भूमिका कंवर पुत्री देवेंद्र सिंह सोलंकी	झीलवाड़ा (राजसमंद)	10 (आरबीएसई)	96.00
चंद्रिका कंवर बालोत पुत्री श्रवण सिंह	पावटा (जालौर)	10 (आरबीएसई)	97.33
हितेश्वरी राठौड़ पुत्री रिपुदमन सिंह	गुड़ा सूरसिंह (पाली)	10 (आरबीएसई)	96.33
अक्षयपाल सिंह पुत्र रतन सिंह	टांगली (नागौर)	10 (आरबीएसई)	91.00
नीलम कंवर शेखावत पुत्री प्रताप सिंह	सिंहासन (सीकर)	10 (आरबीएसई)	93.67
हितेंद्र सिंह राठौड़ पुत्र विक्रम सिंह	सिराणा (जालौर)	10 (सीबीएसई)	93.20
दिव्या राठौड़ पुत्री प्रकाश सिंह	गुगरियाली (नागौर)	10 (आरबीएसई)	95.17
याशिका शेखावत पुत्री दरियाव सिंह	घाटवा (कुचामन डीडवाना)	10 (सीबीएसई)	95.20
विमला कंवर चौहान पुत्री राजू सिंह चौहान	जम्बूतालाब (राजसमंद)	10 (आरबीएसई)	93.00
वैभवराजसिंह चौहान पुत्र फतह सिंह चौहान	कल्लखेड़ी (राजसमंद)	10 (सीबीएसई)	97.00
चंद्रभान प्रताप सिंह झाला पुत्र रघुराज सिंह	सोड़ावास (राजसमंद)	10 (आरबीएसई)	90.00

कक्षा 12

नाम व पिता का नाम	गांव व जिला	कक्षा	प्राप्तांक प्रतिशत
भाग्यश्री भायल पुत्री स्वरूप सिंह	पादरली कल्ला (बालोतरा)	12 (आरबीएसई)	97.40
माया कंवर पुत्री रतन सिंह राठौड़	पाड़ाण (नागौर)	12 (आरबीएसई)	91.80
पूनम कंवर पुत्री जसवंत सिंह सोढ़ा	मोकला (जैसलमेर)	12 (सीबीएसई)	93.80
मंजीता कंवर पुत्री जितेंद्र सिंह	जलवाना (नागौर)	12 (आरबीएसई)	92.60
विष्णु कंवर पुत्री हनवंत सिंह	बोया (पाली)	12 (आरबीएसई)	90.60
रतन सिंह राठौड़ पुत्र रूप सिंह	ध्रुबाणा (सिरोही)	12 (आरबीएसई)	97.40
जितेंद्र सिंह भाटी पुत्र मूल सिंह	ओसियां (जोधपुर)	12 (आरबीएसई)	92.40
राजेन्द्र सिंह भाटी पुत्र जोर सिंह	ओसियां (जोधपुर)	12 (आरबीएसई)	93.20
मनीषा कंवर पुत्री विक्रम सिंह शेखावत	गुनाठू (सीकर)	12 (सीबीएसई)	95.60
दीपिका कंवर पुत्री भंवर सिंह	चूड़ी (झुंझुनूं)	12 (सीबीएसई)	95.50
दीक्षिता राठौड़ पुत्री गणपत सिंह	साण्डेराव (पाली)	12 (आरबीएसई)	92.20
कविता भाटी पुत्री गेमर सिंह	पारेवर (जैसलमेर)	12 (सीबीएसई)	93.80
हिन्दू सिंह पुत्र हेम सिंह	कितपाला (बालोतरा)	12 (आरबीएसई)	90.40
निधि कंवर पुत्री दौलत सिंह	गुढ़ा रोहिली (नागौर)	12 (आरबीएसई)	96.80
निरमा कंवर पुत्री राजू सिंह	ऊंटालड़ (चूरू)	12 (आरबीएसई)	96.20
भूमिका पुत्री मूल सिंह शेखावत	बिहारीपुर (सीकर)	12 (आरबीएसई)	94.00
प्रवीण सिंह पुत्र मोहन सिंह	मुंदियाड (नागौर)	12 (आरबीएसई)	91.20

(शेष पृष्ठ 7 पर)

पूज्य श्री भगवान सिंह जी रोलसाहबसर जस्स

(सुजस्स सोरठा)

गज आनन गुण गाय, सिवरूं माता सुरसती।
उकत बगसो आय, भणूं जस्स भगवानसी।।1।।

दिवस फरवरी दोय, सन चमाळवै साल में।
अवतरियो नर ओय, भू ऊपर भगवानसी।।2।।

तणजी तन तपवाय, युवक संघ सिरजावियो।
उण उजवळ पथ आय, भयो मगन भगवानसी।।3।।

मस्त फकीरी मौज, निरखी सँग नारांण रै।
आयुवान तण ओज, भरियो उर भगवानसी।।4।।

लूंठी लगन लगाय, तणेराज सँग तप्पियो।
पारस संगत पाय, भळहळियो भगवानसी।।5।।

हरवळ रहत हमेस, सँघ उपवन सरसावियो।
दीपत आखै देस, सूरज सम भगवानसी।।6।।

पुरसारथ परवांण, सींच्यो सँघ वट सांवठो।
पायी जग पहचांण, भागवान भगवानसी।।7।।

भूलां रो भगवान, बिछड्या बँधु बुलाविया।
गहरो दै सद ग्यान, भौ भांज्यौ भगवानसी।।8।।

वाल्हो उजवळ वैस, फरहर दाढ़ी फूठरी।
कांधै धवळा कैस, भाभोसा भगवानसी।।9।।

धरम धजा फहराय, क्षात्र धरम राख्यो सिरै।
सत रज संघ समाय, भजियो हर भगवानसी।।10।।

धर अलख तणो ध्यान, पद पूरण नर पावियो।
गीता हंदो ग्यान, भाख्यौ नित भगवानसी।।11।।

मात सगत रो मान, सँघवत राख्यो सांतरो।
शिविर महिला शांन, भळकाई भगवानसी।।12।।

स्वांस समायो संघ, शाखा स्नेह दँपत शिविर।
रजपूती रै रंग, भीनो भड़ भगवानसी।।13।।

पांच जून पच्चीस, सकल जूण जग सांमटी।
आप समाया ईस, भोम तजै भगवानसी।।14।।

गुरुगम बगसण ग्यान, अड़गड़ानंदव्रज आविया।
मिळिया संत महान, भगत रूप भगवानसी।।15।।

प्रीत तणो पैगाम, जन सदभावी जातरा।
उमड़ै पड़ी अवाम, भेंट्या जद भगवानसी।।16।।

जय सँघ सगती जाप, जपिया जीया जूण में।
ओळख लीधौ आप, भगवन कूं भगवानसी।।17।।

सँघ साहित लै सार, साच कमाई साधना।
त्रिपुरारी सूं तार, भैळाई भगवानसी।।18।।

कळझळ रैयी कूक, बाबोसा री बाइयां।
हिवड़ै उठैज हूक, भूलै नह भगवानसी।।19।।

आप तणो आलोक, आज अडोळो आसरम।
कळपै बंधव लोक, भूलां किम भगवानसी।।20

आपहि मम आधार, आप तणो वड आसरो।
'दीप' तिहारै द्वार, भव तारो भगवानसी।।21।।

(रचयिता - दीपसिंह रणधा, डिंगल रसावल)

झालरा, पिंडवाड़ा और खिरिया में श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की कार्यशालाएं

श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन के संचालन मंडल की अर्द्धवार्षिक समीक्षा बैठक 22 जून को भीलवाड़ा जिले के झालरा में संपन्न हुई जिसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए सहयोगियों ने भाग लिया। संघ के केंद्रीय कार्यकारी रेवंत सिंह पाटोदा ने बैठक का संचालन करते हुए कहा कि कर्मशीलता ही हमारा मूलमंत्र होना चाहिए। किसी भी उद्देश्य की प्राप्ति के लिए सक्रिय बनना आवश्यक है और स्वयं सक्रिय होकर ही हम समाज में सक्रियता ला सकते हैं। बैठक में फाउंडेशन के विगत 6 महीनों के कार्यों की समीक्षा कर आगामी 6 माह की कार्ययोजना बनाई गई। 29 जून को सिरोही जिले के पिंडवाड़ा में

फाउंडेशन की रात्रिकालीन बैठक आयोजित हुई। बैठक में फाउंडेशन की कार्यप्रणाली सहित आगामी कार्ययोजना पर चर्चा हुई। इस दौरान फाउंडेशन के सिरोही जिला प्रभारी चंद्रवीर सिंह लूणोल सहित महिपाल सिंह ऊंदरा, सुल्तान सिंह डबानी, राजेंद्र सिंह परमार (रेलवे), दलपत सिंह विरोली, शिव सिंह मुंजास (झुंझुनू), प्रद्युम्न सिंह ऊंदरा, दिग्विजय सिंह कोलीवाड़ा आदि सहयोगी उपस्थित रहे। अजमेर टीम की एक दिवसीय रात्रिकालीन कार्यशाला सरवाड़ स्थित नरूका भवन, खिरिया में 9 जुलाई को आयोजित हुई जिसमें अजमेर जिले में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाकर सभी सहयोगियों को जिम्मेदारी दी गई। कार्यक्रम में फाउंडेशन के अजमेर जिला प्रभारी देशराज सिंह लिसाडिया सहित गोवर्धन सिंह खिरिया, सुरेंद्र सिंह खिरिया, नरेंद्र सिंह डोराई, यज्ञ प्रताप सिंह पिपरोली, भंवर सिंह खिरिया, घनश्याम सिंह नागोला, भगवान सिंह निमोद, अरविंद सिंह अरनिया, विक्रम सिंह नयाबास, शक्ति सिंह सराना, हरी सिंह जावला, राम सिंह धानमा, निकेंद्र सिंह कल्याणपुरा आदि सहयोगी उपस्थित रहे।

(पृष्ठ छह का शेष)

अपने प्रेरक...

श्री क्षत्रिय युवक संघ के रूप में उनकी प्रेरणा हमको हमेशा मिलती रहेगी, उस प्रेरणा को हम लेते रहें। कार्यक्रम में वरिष्ठ स्वयंसेवक माननीय महावीर सिंह जी सरवड़ी का भी सान्निध्य भी प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में जयपुर शहर में रहने वाले समाजबंधु मातृशक्ति सहित शामिल हुए एवं पूज्य तनसिंह जी, पूज्य आयुवान सिंह जी, पूज्य नारायण सिंह जी व पूज्य भगवान सिंह जी रोलसाहबसर को नमन कर उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

बाड़मेर स्थित आलोक आश्रम में भी 10 जुलाई को गुरु पूर्णिमा मनाई गई जिसमें संघ के संस्थापक पूज्य श्री तनसिंह जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। वरिष्ठ स्वयंसेवक नरपत सिंह चिराणा ने सभी गुरुजनों की तस्वीर पर तिलक किया एवं उपस्थित सभी स्वयंसेवकों ने पुष्पांजलि अर्पित की। वरिष्ठ स्वयंसेवक धर्मेंद्र सिंह आंबली ने गुरु पूर्णिमा का महत्व बताते हुए कहा कि गुरु का अर्थ है जो हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाए, असत्य से सत्य की ओर ले जाए। हमारे ज्ञान चक्षु को खोलने वाला ही गुरु है।

उन्होंने कहा कि ईश्वर की कृपा से ही सद्गुरु प्राप्त होते हैं और हमें भी ईश्वर की कृपा से ही श्री क्षत्रिय युवक संघ का सान्निध्य प्राप्त हुआ है। इस मार्ग पर हम निरंतर चलते रहें तो सब कुछ प्राप्त हो जाएगा। गुरु पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर 9 जुलाई को आश्रम में भजन कीर्तन का भी आयोजन किया गया। बाड़मेर शहर में रहने वाले स्वयंसेवकों के अतिरिक्त गुजरात से भी स्वयंसेवक कार्यक्रम में शामिल हुए।

खिवांदी...

जहां केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने शहीद को श्रद्धांजलि एवं परिजनों से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाया। यहां से हेलीकॉप्टर द्वारा सिरोही हवाई पट्टी होकर फिर सड़क मार्ग से शाम 6 बजे उनकी पार्थिव देह उनके पैतृक गांव खिवांदी पहुंची जहां सैन्य सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनकी अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी शामिल हुए।

राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने भी शहीद को पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। जालोर विधायक जोगेश्वर गर्ग, बाली विधायक पुष्पेंद्र सिंह राणावत, पाली जिला कलेक्टर लक्ष्मी नारायण मंत्री, पुलिस अधीक्षक चुनाराम जाट एवं वायुसेना के उच्चाधिकारियों सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति अंतिम संस्कार में शामिल हुए। सिरोही में सांसद लुंबाराम ने भी शहीद को पुष्पचक्र अर्पित किया।

प्रो. देविन्द्रसिंह...

इसके बाद एलएलबी की पढ़ाई गुरुनानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर से पूरी की और पंजाब विश्वविद्यालय से पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। वे पंजाब विश्वविद्यालय के विधि विभाग में प्रोफेसर, विभागाध्यक्ष एवं डीन जैसे महत्वपूर्ण पदों पर सेवाएं दे चुके हैं, साथ ही कुलगुरु के सचिव और डॉ. आंबेडकर सेंटर के निदेशक पद पर भी कार्य कर चुके हैं। प्रोफेसर ठाकुर लेखन के क्षेत्र में भी सक्रिय है और अब तक उनकी दस पुस्तकें और पचास से अधिक शोध-पत्र प्रकाशित हो चुके हैं।

(पृष्ठ छह का शेष)

प्रतिभाएं...

गुनगुन राठौड़ पुत्री श्रवण सिंह	खारी कर्मसोता (नागौर)	12 (आरबीएसई)	96.00
दलीप सिंह पुत्र पन्ने सिंह	भाटिया की ढाणी (नागौर)	12 (आरबीएसई)	95.20
वीरेंद्र सिंह पुत्र जालम सिंह	पांचोटा (जालौर)	12 (आरबीएसई)	90.20
पुष्पेंद्र सिंह चौहान पुत्र डूंगर सिंह	सालुखेड़ा (उदयपुर)	12 (आरबीएसई)	93.40
भुवनेश्वरी पंवार पुत्री प्रेम सिंह	फलासिया (उदयपुर)	12 (आरबीएसई)	98.80
वैभवराज सिंह झाला पुत्र नारायण सिंह	मांडुथल (उदयपुर)	12 (आरबीएसई)	91.40
सूर्यदेव सिंह कितावत पुत्र ऊंकार सिंह	उरिया (राजसमंद)	12 (आरबीएसई)	92.40
हर्षा कंवर चुंडावत पुत्री मोहन सिंह	कौंथल (राजसमंद)	12 (आरबीएसई)	94.80
टीना कंवर चुंडावत पुत्री बाबू सिंह	रामपुर (राजसमंद)	12 (आरबीएसई)	95.20
खुशी कंवर चुंडावत पुत्री बहादुर सिंह	रामपुर (राजसमंद)	12 (आरबीएसई)	90.40
वर्षा कंवर चुंडावत पुत्री केसर सिंह	पावटा (उदयपुर)	12 (आरबीएसई)	94.40

'एक दीप जो बुझा नहीं'

(पूज्य भगवान सिंह जी रोलसाहबसर को शब्दांजलि)

वो थे एक दीप अंधेरों में
जो जला जीवन भर रोशनी देने को
ना स्वार्थ, ना मोह, ना कोई भय था
बस प्रण था समाज संवारने को

बचपन की आँखों में सपने बोए
हर बेटी को आप ने शक्ति दी
नारी को देखा दुर्गा जैसा
हर पीड़ा को निज शक्ति दी

देश की राहों में काटे चुनकर
स्वयं पगों में छाले भरते रहे
हर दर्द को हँसी में सह लेते
हर घाव को प्रेम से हरते रहे

त्याग के वो सर्वोच्च उदाहरण
आपने स्वार्थ से नाता तोड़ा
अपने सुख की आपने बलि दी,
पर एक भी आह न बोले

जब वो दिव्य अंत समय आया
सारा जन-समुद्र उमड़ पड़ा
हर आँख थी नम, हर मन मौन,
जैसे स्वर्ग से देव उतर पड़े

लाखों नहीं, करोड़ों आए,
उस पुण्य आत्मा को नमन करने,
धरा थम सी गई, नभ झुक गया,
मानवता को चरम वंदन करने

अब वो देह नहीं, पर गंध है शेष,
उनके कर्मों की कहानी अमर है,
वो एक दीप नहीं, युगों की लौ है,
जो हर दिल में अब तक जिंदा है
और आने वाले हजार सालों तक जिंदा रहेंगे

वह एक ऐसे दीप थे जो बुझने से पहले,
हजारों दीपक जलाकर चले गए

महाराणा भूपाल शिक्षा समिति का पदभार ग्रहण समारोह

महाराणा भूपाल शिक्षा समिति की नवीन कार्यकारिणी का पदभार ग्रहण समारोह श्री भूपाल राजपूत छात्रावास परिसर चित्तौड़गढ़ में 6 जुलाई को आयोजित हुआ जिसमें नव-निर्वाचित अध्यक्ष नरपत सिंह भाटी, उपाध्यक्ष खुमाण सिंह निंबाहेड़ा, महामंत्री राजेन्द्र सिंह नारेला, संयुक्त मंत्री विजयराज सिंह रूद, कोषाध्यक्ष उदय सिंह सिंगोला ने विधिवत रूप से अपना पदभार ग्रहण किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि चित्तौड़गढ़ विधायक चंद्रभान सिंह आक्या ने नवीन कार्यकारिणी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नई टीम सब के सहयोग से कार्य करेगी तो अवश्य ही अपने उद्देश्य में सफल होगी। पूर्व जिला प्रमुख भैरों सिंह चौहान ने कहा कि राजपूत राजनीति से अलग नहीं रह सकते क्योंकि नेतृत्व का हमारा जातीय स्वभाव छूट नहीं सकता। उन्होंने कहा कि समाज के लिए हमारा पूर्ण समर्पण हो, हम आपस में मिलकर कार्य करें। उपखंड अधिकारी बीनू देवल ने कहा कि हमारी भावी पीढ़ी शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़े, साथ ही उनमें संस्कारों के निर्माण पर भी हम ध्यान दें। संस्था के अध्यक्ष नरपत सिंह भाटी ने कहा कि मेरे लिए यह पद नहीं जिम्मेदारी है। उन्होंने संस्थान में ई-लाइब्रेरी व कोचिंग क्लासेज प्रारंभ करने की घोषणा की एवं हॉस्टल सुविधा, स्कूल संचालन के साथ ही शारीरिक शिक्षण महाविद्यालय शुरू करने की योजना भी प्रस्तुत की। शिक्षा समिति के पूर्व अध्यक्ष शक्ति सिंह मुरलिया ने संस्था की उत्तरोत्तर प्रगति की कामना की। कार्यक्रम में जौहर स्मृति संस्थान अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह विजयपुर, ठाकुर नारायण सिंह बड़ोली, देवी सिंह चौगावडी, पूर्व प्रधान नारायण सिंह नारेला, चित्तौड़गढ़ प्रधान देवेंद्र कंवर, भदेसर प्रधान सुशीला कंवर, लाल सिंह भाटियों का खेड़ा, पूर्व प्रधान प्रवीण सिंह, जौहर स्मृति संस्थान महिला उपाध्यक्ष निर्मला कंवर, आसावरा माता क्षत्रिय धर्मशाला अध्यक्ष उदय सिंह झाड़ोली, पूर्व खेल अधिकारी अनिरुद्ध सिंह बानिणा, प्रताप स्पोर्ट्स संस्थान के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह मुरोली, जस्ट न्यूज संपादक विक्रम सिंह चौथपुरा, श्री राष्ट्रीय करणी सेना जिलाध्यक्ष अरविंद सिंह, महिला अध्यक्ष माया कंवर, पूर्व प्रधान अर्जुन सिंह सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री राजेन्द्र सिंह नारेला ने किया तथा आभार उपाध्यक्ष खुमाण सिंह निंबाहेड़ा ने व्यक्त किया। समारोह के पश्चात अतिथियों द्वारा 'एक पेड़ मां के नाम' योजना के तहत संस्थान परिसर में वृक्षारोपण किया गया। समारोह से पूर्व श्री क्षत्रिय युवक संघ द्वारा साप्ताहिक शाखा आयोजित की गई एवं सामूहिक यज्ञ संपन्न किया गया। इस अवसर पर श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी गंगा सिंह साजियाली व संभाग प्रमुख बृजराज सिंह खारड़ा सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। समारोह में राष्ट्रीय बैडमिंटन प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल विजेता शैलेंद्र सिंह मुरलिया को सम्मानित भी किया गया।

बीकानेर में समारोह पूर्वक मनाई राजा करण सिंह जी की जयंती

बीकानेर के नौवें राजा करण सिंह जी की जयंती 10 जुलाई को क्षत्रिय सभा एवं ट्रस्ट बीकानेर संभाग, सर्व समाज एवं बीकानेर की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं द्वारा बीदासर हाउस, तीर्थ स्तंभ पर हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बीकानेर (पूर्व) की विधायक सिद्धि कुमारी ने महापुरुषों की जयंती मनाए जाने को आवश्यक बताया और कहा कि करण सिंह जी से हम सभी को धर्म, संस्कृति और राष्ट्र रक्षा की प्रेरणा लेनी चाहिए। अभिमन्यु सिंह राजवी ने कहा कि बीकानेर की धरा के राजाओं का इतिहास वीरता एवं शौर्य के लिए जाना जाता है। वीर योद्धा राजा करण सिंह जी को उनकी वीरता के कारण ही जय जंगलधर बादशाह की उपाधि से सम्मानित किया गया। डॉ सरोज राठौड़ ने कहा कि करण सिंह जी एक महान देशभक्त होने के साथ-साथ धर्म रक्षक भी थे। उन्होंने धर्म की रक्षा के लिए कोई भी बलिदान बड़ा नहीं समझा। डॉ चक्रवर्ती नारायण श्रीमाली ने राजा करण सिंह जी के शौर्य और प्रताप के बारे में बताते हुए उन्हें सनातनी धर्म की रक्षा करने वाले महान शासक की संज्ञा प्रदान की। साहित्यकार हिंगलाज दान रतनू ने बताया कि राजा करण सिंह जी ने बाहर से आये आक्रांताओं का सामना कर उनसे युद्ध किया एवं क्षात्रधर्म का पालन किया। क्षत्रिय सभा के अध्यक्ष करण प्रताप सिंह सिसोदिया ने सभी का स्वागत किया। इस अवसर पर बीकानेर की विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि, साहित्यकार व अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पाली में करियर कार्यशाला और अभिनन्दन समारोह का आयोजन

पाली शहर में स्थित रोटरी क्लब में श्री वीर दुगार्दास राजपूत शिक्षा समिति पाली के तत्वावधान में 8 जुलाई को करियर कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें नवचयनित आईएएस त्रिलोक सिंह भाकरी का अभिनन्दन भी किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए त्रिलोक सिंह राठौड़ ने बताया कि लगातार संघर्ष करने से ही लक्ष्य की प्राप्ति होती है। परिश्रम का कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता हेतु दैनिक समाचार पत्र-पत्रिकाओ को नियमित पढ़ना चाहिए। अपर जिला न्यायाधीश विक्रम सिंह भाटी ने विधि विभाग में संभावनाओं के बारे में जानकारी दी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह देवड़ा ने परिश्रम और धीरज के साथ अध्ययन करने की बात कही। पुलिस अधिकारी जेठू सिंह करनोत ने कहा कि युवाओं को अपनी क्षमताओं को पहचानकर अपना लक्ष्य चुनना चाहिए। एस डी एम पाली विमलेंद्र राणावत ने बताया कि बच्चों की रुचि, क्षमता आदि को प्रारंभ में ही पहचान कर उसी के अनुरूप उनका मार्गदर्शन किया जाना चाहिए। समिति अध्यक्ष गुलाब सिंह गिरवर ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रहलाद सिंह उठवन, राजेंद्र सिंह डिगाई, जवान सिंह सरदार समंद, पर्वत सिंह टेवाली , भवानी सिंह सादरा, अजयपाल सिंह हेमावास, जवानसिंह मोनी, चंद्रेश पाल सिंह, राजेंद्र सिंह भाटी, पर्वत सिंह वेलार, चंद्रवीर सिंह सिसरवादा, भरत सिंह भाकरी, शैतान सिंह सोनीगरा, बलवीर सिंह राणावत, मनोहर सिंह निंबली उड़ा सहित अनेक समाजबंधु एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जगपालसिंह बाला ने किया।

पालनपुर में तेजस्वी छात्र सम्मान समारोह व स्नेहमिलन आयोजित

गुजरात के पालनपुर में स्थित सरस्वती हाई स्कूल में बावनगोल राजपूत समाज का पारिवारिक स्नेहमिलन एवं तेजस्वी छात्र सम्मान समारोह 6 जुलाई को आयोजित हुआ। कार्यक्रम में राजपूत समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों, सरकारी सेवा में चयनित युवाओं एवं विविध क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को जयेश सिंह करली (शाखा प्रबंधक, एक्सिस बैंक, पालनपुर), अजीत सिंह जगन्नाथपुर, शैलेन्द्र सिंह खाटसाना सहित विभिन्न वक्ताओं ने संबोधित किया और शिक्षा के साथ संस्कारों को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि वर्तमान समय में हमारे समाज के बालक-बालिकाओं को क्षत्रियोचित संस्कार प्रदान करने की आवश्यकता है और उसके लिए श्री क्षत्रिय युवक संघ की शाखा एवं शिविर श्रेष्ठतम माध्यम है। श्री बावन आटा राजपूत समाज के अध्यक्ष मदार सिंह हड़ियोल के आग्रह पर श्री क्षत्रिय युवक संघ के पालनपुर प्रांत प्रमुख अजीत सिंह कुणघेर भी सहयोगियों सहित कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम के पश्चात हुई चर्चा में सरस्वती बालिका विद्यालय वडगाम में बालिका शिविर के आयोजन का प्रस्ताव रखा गया। साथ ही बावन आटा राजपूत समाज केलवणी मंडल द्वारा संचालित शैक्षणिक संस्थाओं के कर्मचारियों हेतु संघ की एक संपर्क बैठक आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया।

श्री संघशक्ति प्रकाशन प्रन्यास (स्वत्वाधिकारी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक राजेन्द्र सिंह राठौड़ द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, डी बी कॉर्प लिमिटेड, प्लोट नंबर-01, मंगलम कनक वाटिका के पीछे, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, रेल्वे क्रोसिंग के पास, बिलवा, शिवदासपुरा, टोंक रोड़, जयपुर (राजस्थान)-303903 (दूरभाष- 6658888) से मुद्रित एवं ए-8, तारानगर, झोटवाड़ा, जयपुर- 302012 (दूरभाष- 2466353) से प्रकाशित। संपादक- राजेंद्र सिंह राठौड़।
Email- pathprerak1997@gmail.com Website- www.shrikys.org